रणजीत टाइम्स
वर्ष : 1, अंक: 105 इंदौर, सोमवार 24 मार्च 2025
RNI-NO.MPHIN/2015/64585
DIGITAL EDITION

"विकास की तेज रफ्तार"

कार्यक्रम के तहत केंद्रीय एवं राजकीय बजट पर चर्चा कार्यक्रम में शामिल हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ रविशंकर प्रसाद

रंजीत टाइम्स » आदित्य शर्मा
सलाहकार संपादक

इंदौर आकर मिलता है सुख,आय लव इंदौर - डॉ रविशंकर प्रसाद 2047 में विश्व की सबसे बड़ी शक्ति होगा भारत- कैलाश विजयवर्गीय

इंदौर। भारतीय जनता पार्टी इंदौर द्वारा विकास की तेज रफ्तार कार्यक्रम के तहत केंद्रीय एवं राजकीय बजट पर चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें पटना साहिब से सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रवि शंकर प्रसाद मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेने पहुंचे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी मौजूद रहे। बजट पर चर्चा कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के नेतागण, विशेषज्ञ, चार्टर्ड अकाउंटेंट, कंपनी सेक्रेटरी, अधिवक्ता, पत्रकार ,यंग इनफ्लुएंसर, व्यापारी डॉक्टर समेत कई बुद्धिजीवी वर्ग डॉ रवि शंकर प्रसाद से संवाद के लिए मौजूद थे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर की गई। इसके बाद इंदौर के नवागत शहर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं मुख्य अतिथि दो रविशंकर प्रसाद का पुष्प गुच्छ भेटकर स्वागत किया। कार्यक्रम में सभी बुद्धिजीवी वर्ग के लोगों ने डॉक्टर रवि शंकर प्रसाद से बजट को लेकर प्रश्न किये। जिनका जवाब डॉक्टर रविशंकर प्रसाद ने अपने वक्तव्य में दिया। डॉ रवि शंकर प्रसाद ने अपने वक्तव्य में बताया कि युवा मोर्चा में काम करते हुए इंदौर के वरिष्ठ नेता एवं मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से मित्रता हुई और कैलाश विजयवर्गीय जी ने इंदौर से उनका परिचय करवाया। श्री प्रसाद ने बताया कि श्री विजयवर्गीय और वे दोनों युवा मोर्चा में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के तौर पर काम कर चुके हैं और उसी समय पर श्री विजयवर्गीय रवि शंकर प्रसाद जी को सराफा में पोहे जलेबी खिलाने ले गए थे जो की बहुत स्वादिष्ट थे। श्री रवि शंकर जी प्रसाद ने बताया कि इंदौर की जनता में आपस में जो प्रेम है, उद्यमशीलता है, यही इंदौर को मजबूती प्रदान करती है। बजट को लेकर श्री प्रसाद ने कहा कि मोदी जी का बजट देश को विस्तार दे रहा है। उन्होंने बताया कि सालों से हमारे देश में रोटी कैसे बटेगी इस पर चर्चा हो रही है लेकिन रोटी कैसे बढ़ेगी यह सोच मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद जन्मी है। श्री प्रसाद ने बताया कि मोदी जी के मन में देश को बदलने की चाहत थी इसलिए आज हमारा देश बदल रहा है और एक मजबूत स्तंभ के रूप में विश्व में खड़ा हुआ है।

श्री प्रसाद ने यह भी कहा

कि डिजिटल इंडिया टेक्नोलॉजी के माध्यम से मोदी सरकार ने भारत को बदला है। भारत में जहां 145 करोड़ आबादी है, तो वहीं 95 करोड़ मोबाइल फोन भी है। क्योंकि भारत की जनता को डिजिटल इंडिया यह रास्ता सही लगा तो भारत की जनता डिजिटल इंडिया के साथ जुड़ गई। साथ ही आधार कार्ड के जरिए आज डिजिटल आइडेंटिटी देश के नागरिकों की फिजिकल आईडेंटिटी से कनेक्ट है। बैंक अकाउंट आधार से लिंक है और सरकार द्वारा चलाई जाने वाली सभी योजनाओं से मिलने वाली आर्थिक सहायता सीधे एक लिंक के माध्यम से बैंक अकाउंट में पहुंच जाती है। बड़े-बड़े उद्योग और व्यापार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार में भारत में आ रहे हैं ।बड़े बड़े उत्पादन भी देश मे होने लगे हैं।चाहे कोरोना वेक्सीन हो या इन्वर्टर उत्पादन सब अब भारत मे हो रहा है। श्री प्रसाद ने बताया कि नेहरू जी और इंदिरा जी ने शासन करते समय देश की जनता का विश्वास नहीं जीता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जनता का विश्वास जीता है इसलिए आज हम इतनी तेजी से आगे पढ़ रहे हैं। श्री प्रसाद ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में जहां पर कैपिटा इनकम बढ़ रही है।

2047 में विश्व की सबसे बड़ी शक्ति होगा भारत– श्री कैलाश विजयवर्गीय

विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ नेता एवं मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने भी युवा मोर्चा के कार्यकाल के दौरान डॉ रवि शंकर प्रसाद से अपनी मित्रता की यादें साझा की एवं केंद्रीय बजट को लेकर श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ रवि शंकर प्रसाद जी को सुनने के लिए मैं खुद आतुर हूं,क्योंकि जब डॉक्टर रविशंकर किसी मुद्दे पर बात करते हैं तो काफी कुछ सीखने को मिलता है। प्रदेश के बजट से सीधा असर केंद्रीय स्तर पर देखने को मिलता है। खर्च बढ़ रहे हैं इसके बावजूद भी हमारे मध्य प्रदेश की जीडीपी लगातार बढ़ रही है। श्री विजयवर्गीय ने बताया कि पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर कलाम ने कहा था कि बड़ा सोचो और बड़ा संकल्प पूरा करने की ओर कदम बढ़ाओ ।इसी बात को ध्यान में रखते हुए हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आने वाले 100 साल बाद के भारत की तस्वीर कैसी होगी इसको लेकर कार्य करना शुरू कर दिया है। सभी प्रदेशों में इन्वेस्टमेंट मिले और युवाओं को उद्यम के आधार पर रोजगार भी मिले।

प्रधानमंत्री जी का कहना है कि

गरीब की गरीबी कैसे खत्म हो इस पर कार्य करना बेहद जरूरी है क्योंकि जब तक 50% आबादी सशक्त नहीं होगी और गरीब की गरीबी दूर नहीं होगी यह देश सशक्त नहीं हो पाएगा। पिछले 10 सालों के अंदर 25 करोड़ से ज्यादा गरीब लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। पिछले 10 वर्षों में व्यापार भी दोगुना हुआ है। पीएम के किए गए कार्यों से क्रय शक्ति बड़ी है। पिछले 10 सालों में 22 लाख पीएम आवास के मकान बनाए गए हैं और आगे भी और बनने वाले हैं। वही लाडली बहना योजना से आर्थिक सहायता महिलाओं को दी जाती है। भाजपा और मोदी सरकार की हर योजना से जनता तक आर्थिक सहायता दी जा रही है। जिससे कि लोगों की क्रय शक्ति बड़ी है और व्यापारी वर्गों को इसका काफी ज्यादा फायदा मिला है।

भारत दुनिया में इकोनॉमी स्टेबिलिटी वाला प्रखर देश बन रहा: रविशंकर प्रसाद

राहुल गांधी जी आप किस मेरिट से विपक्ष के नेता बने - रविशंकर प्रसाद

मध्य-प्रदेश का बजट सर्वागीण विकास का बजट - कैलाश विजयवर्गीय

इंदौर। भारत इस पूरी दुनिया में इकोनॉमी स्टेबिलिटी का एक बहुत बड़ा प्रखर देश बन रहा है। इस बार के बजट में टॉय इंडस्ट्रीज, फुटवेयर इंडस्ट्रीज, किसानों के लिए, दाल के लिए, जो 100 इंस्पायरेशनल डिस्ट्रिक्ट में खेती को विशेष तौर से प्रोत्साहित किया गया है। बजट में एमएसएमई के लिए जो प्रावधान किए गए हैं, देश में 36 करोड़ एमएसएमई है, उनमें से 1 करोड़ रजिस्टर्ड है, उनके लिए विशेष योजना इस बजट में शामिल की गई है। यह बात पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद श्री रविशंकर प्रसाद ने आज ब्रिलियंट कन्वेशन सेंटर में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कही। इस अवसर पर नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, नगर अध्यक्ष श्री सुमित मिश्रा, राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, प्रदेश सहमीडिया प्रभारी दीपक जैन टीनू , प्रदेश प्रवक्ता आलोक दुबे, नरेंद्र सलूजा, नगर मीडिया प्रभारी रितेश शर्मा, जिला मीडिया प्रभारी वरुण पाल, सहमीडिया प्रभारी नितिन द्विवेदी भी उपस्थित थे।

श्री प्रसाद ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी का फिर एक ज्ञान भरा वक्तव्य आया है। उन्होंने कहा कि इस देश में मेरिट नाम की कोई चीज सही काम नहीं करती। मुझे उनसे सवाल पूछना है कि आप किस मेरिट से विपक्ष के नेता बने है, अपना मेरिट तो बता दीजिए ? आप किसी मेरिट से बने होते तो मेरिट के विषय में सवाल नहीं करते। मेरिट के नियमों की सरासर अवहेलना की गई है, क्योंकि खुद की नियुक्ति बिना मेरिट के हुई है। संसद के पिछले सत्र में उन्होंने विवादित टिप्पणी की जिस पर मेरी काफी बहस हुई, उन्होंने कहा कि 6-7 साल में व्यक्ति युवा हो जाता है, मैंने कहा कि उन्होंने युवा की नई परिभाषा दी है। फिर कहा कि तपस्या करने से शरीर में गर्मी आती है। अरे राहुल जी हमारे देश में हजारों लाखों ऋषि मुनियों हिमालय की कंदराओं में आध्यात्मिक ज्ञान और चेतना के लिए तपस्या करते हैं। इस तरह की बातें कहना, जिसका कोई मतलब नहीं है। मैं आज फिर कह रहा हूं, राहुल गांधी होम वर्क नहीं करते, उनको कौन पढ़ाता है उनका ट्यूटर बदलना चाहिए, जो भारत की सही जानकारी उन्हें दे या फिर वह घोर माओवादियों के प्रभाव में है।

उन्होंने कहा कि एक और राष्ट्रीय विषय है, कर्नाटक सरकार ने 4 प्रतिशत आरक्षण किया है, मुस्लिम के लिए पिछड़ा वर्ग का हक मारा गया है। आप उपासना पद्धति के आधार पर रिजर्वेशन नहीं कर सकते आप ग्रेडियन के आधार पर रिजर्वेशन नहीं कर सकते, ये सुप्रिम कोर्ट ने बार बार कहा है। ये भारत के संविधान में भी निषेध है। वोट बैंक के लिए कहा तक जाएंगे आप ? वोट बैंक की लालसा कहा तक जाएगी ? आज कॉंग्रेस पार्टी कहा सिमट गई और हम कहा पहुंच गए। फिर क्या शाह बानो, क्या तीन तलाक, कॉंग्रेस वही खड़ी है। लगता है कॉंग्रेस अपना वजूद कम्प्लीट खत्म करेगी क्या ?

उन्होंने कहा कि योगी जी ने एक निर्णय लिया है, कि आगरा में औरंगजेब के किले, जहाँ शिवाजी को कैद करके रखा था उसके सामने शिवाजी के सम्मान में बहुत बड़ा स्मारक बनाया जाएगा और महाराष्ट्र सरकार बनाएगी, शिवाजी और औरंगजेब दो व्यक्तित्त्व है भारत के इतिहास में, उन्होंने पूछा किसकी विरासत लेना चाहते है ? औरंगजेब भारत की विरासत नहीं हो सकते, जब भी भारत की विरासत होंगे तो शिवाजी होंगे। यह स्पष्ट होना चाहिए कि औरंगजेब कभी भी भारत की विरासत नहीं होंगे।

नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने चर्चा के दौरान कहा कि मध्य-प्रदेश का बजट सर्वागीण विकास का बजट है। गत वर्ष की तुलना में इस बार दोगुना बजट बढ़ाया गया है। हर क्षेत्र चाहे शिक्षा का क्षेत्र हो, चाहे इन्फ्रास्ट्रक्चर हो, हर क्षेत्र और हर वर्ग के कल्याण का चिंतन कर प्रावधान किया गया है विशेषकर यह वर्ष रोजगार और इंडस्ट्रीज के लिए समर्पित वर्ष के रूप में है। उन्होंने कहा कि मुझे यह कहते हुए गर्व है कि हमारे मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव और जीआईएस के माध्यम से लगभग 30 लाख करोड़ रुपए के एमओयू हुए है। इसके क्रियान्वयन के लिए हम संकल्पबद्ध है। इसमें 20 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार की संभावना है। इन सारी संभावनाओं को जमीन पर उतारकर मध्य-प्रदेश के विकास में, मप्र की जीडीपी में वृद्धि करेंगे। मध्य-प्रदेश के विकास में यह बजट कारगर सिद्ध होगा।

---

5 लाख की स्मैक के साथ युवक गिरफ्तार

शिवपुरी में बड़ागांव रोड पर पुलिस ने 19 साल के तस्कर को पकड़ा

ऋषि गोस्वामी

शिवपुरी पुलिस ने एक युवक को स्मैक की तस्करी करते हुए पकड़ा है। देहात थाना पुलिस ने आरोपी से 25.13 ग्राम स्मैक बरामद की है। इसकी कीमत करीब 5 लाख रुपए है। थाना प्रभारी रत्नेश सिंह यादव ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि बड़ागांव रोड पुलिया के पास एक व्यक्ति स्मैक बेचने की फिराक में खड़ा है। पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई की। पुलिस ने आरोपी शिवम पाल को गिरफ्तार किया है।

वह ग्राम आसपुर, थाना भौती, जिला शिवपुरी का निवासी है। पुलिस ने उसकी टीवीएस राइडर बाइक भी जब्त की है। बाइक की कीमत करीब 1 लाख रुपये है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 के तहत मामला दर्ज किया है। थाना प्रभारी ने बताया कि शिवपुरी पुलिस जिले में नशे के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है। अवैध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

क्या आप भी बनना चाहते हैं
जनता की आवाज ?
तो जुड़िए रणजीत टाइम्स न्यूज़पेपर के साथ और बनिए जनता की सशक्त आवाज
आपकी खबर आपकी ताकत!
जुड़ने के लिए अभी संपर्क करें
9827068888, 8224951278

गुर्जरगोड मेवाड़ा संघ द्वारा बनाया गया गणगौर पर्व

इंदौर के गौतम ऋषि आश्रम में गुजरगोड मेवाड़ा संघ द्वारा गणगौर पर्व बनाया गया पर्व में माता की डोली बना कर उनका बाना निकाला गया एवं समाज की महिलाओं द्वारा बड़े हर्ष और उल्लास के साथ कार्यक्रम में भाग लिया गया, वही बाने में छोटे छोटे बच्चे को दूल्हा दुल्हन बनाया गया वही वेदांशी शर्मा (श्यामा) को दूल्हा बनाया गया एवं एक अन्य बालिका को दुल्हन बनाया गया एवं कार्यक्रम के पश्चात भोजन प्रसादी भी रखी गई एवं समाज के सभी वरिष्ठ लोग एकत्रित हुए।

प्रदीप जैन बने

जैन राष्ट्रीय एकता संगठन

मध्यप्रदेश के वरिष्ठ उपाध्यक्ष

रंजीत टाइम्स » इंदौर

जैन राष्ट्रीय एकता संगठन के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय आर. शाह अहमदाबाद , राष्ट्रीय उपाध्यक्ष स्वप्निल शाह अहमदाबाद, राष्ट्रीय महामंत्री श्री भुनेश रुपेरा अहमदाबाद एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष नीशा बहन पारीख अहमदाबाद की सहमति से संस्थापक प्रदेश अध्यक्ष (मध्यप्रदेश इकाई) श्री नीलेशकुमार सुराणा जैन " हिन्दू शेर" जावरा ने जैन राष्ट्रीय एकता संगठन मध्यप्रदेश इकाई का प्रदीप जैन इंदौर प्रधान संपादक महावीर सन्देश को वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। आपको यह दायित्व समाज के प्रति आपकी कर्त्यव्यनिष्ठा, कार्यशेली को देखकर दिया गया वरिष्ठ उपाध्यक्ष (मध्यप्रदेश) प्रदीप जैन ने प्रदेश अध्यक्ष नीलेश सुराणा,राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय आर शाह एवं राष्ट्रीय टीम का आभार माना उनकी नियुक्ति पर हार्दिक हुंडिया, किशोरभाई भंडारी, डॉ अखिल बंसल, राजेश नाहर, राजेश शर्मा, जीवनलाल जैन, दीपक दुग्गड, अनिल लालवात,विजय जैन, नीलेश जैन, उमेश कोठारी, पवन सुराणा, पवन नाहर, गौरव दुग्गड, अखिलेश जैन आदि ने बधाई दी एवं उज्वल भविष्य की कामना की।

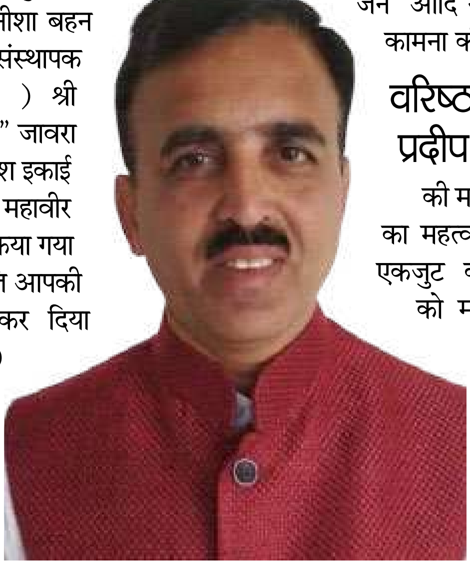

वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रदीप जैन ने कहा

की मध्यप्रदेश में जैन राष्ट्रीय एकता संगठन का महत्वपूर्ण उदेश्य सकल जैन समाज को एकजुट करना, जैन साधर्मिक भाई बहनों को माइनॉरिटी से संबंधित जानकारी भी उपलब्ध करना और जैन समाज में घटते राजनैतिक वर्चस्व को पुन कायम कर राजनीती में आगे आने वाले समाजजनों राजनैतिक दलों से उचित प्रतिनिधित्व दिलाना।

जावरा कंपाउंड स्थित भाजपा कार्यालय पर मुख्यमंत्री एवं कैबिनेट मंत्री विजयवर्गीयसहित सभी जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने पदभार ग्रहण किया।

दिव्येश खमले को मिला Disruptor of the Year Award 2025

राजेश धाकड़

नई दिल्लीः Signimus Technologies Private Limited के संस्थापक और विजनरी लीडर दिव्येश खमले को Disruptor of the Year Award 2025 से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार एक विशेष पैनल द्वारा प्रदान किया गया, जिसमें शामिल थे—गोलू शुक्ला, Minister of State, MP और National Executive Manager of BJP; डॉ. रॉय क्षेमेंद्र, टाटा सन्स लिमिटेड में कस्टमर सेंट्रिसिटी के निदेशक; और राहुल जैन, PSPL Advertising के संस्थापक एवं सीईओ।

तकनीकी नवाचार में अग्रणी भूमिका

दिव्येश खमले के नेतृत्व में Signimus Technologies Private Limited ने कई परिवर्तनकारी तकनीकी समाधान विकसित किए हैं, जिनमें PythonMate, TaxMate, ReadyLaunch और अभिनव Signimus Career Initiative शामिल हैं। इन तकनीकों ने 400 से अधिक आईटी और गैर-आईटी कंपनियों के संचालन को आसान बनाने और डिजिटल परिवर्तन को तेज़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उद्यमशीलता और नवाचार को मिली मान्यता

इस पुरस्कार ने न केवल दिव्येश खमले की उत्कृष्टता और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता को मान्यता दी, बल्कि उन्नत आईटी सेवाओं और उद्यमशीलता सशक्तिकरण के क्षेत्र में Signimus Technologies की वैश्विक प्रतिष्ठा को भी मजबूती दी है।

Signimus Technologies के इन तकनीकी समाधानों ने व्यवसायों के लिए डिजिटल कार्यप्रणाली को सहज बनाया है और उन्हें प्रतिस्पर्धा में आगे रहने में मदद की है। खमले की यह उपलब्धि भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा संयोजक सम्मेलन एवं त्रिशूल दीक्षा कार्यक्रम सम्पन्न

रामेश्वरम

हिंदू युवाओं के लिए शस्त्र धारण करने का संदेश

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के महाराणा प्रताप प्रखंड में संयोजक सम्मेलन एवं त्रिशूल दीक्षा कार्यक्रम समाजवादी नगर राठौर धर्मशाला में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता विश्व हिंदू परिषद इंदौर विभाग के सह मंत्री श्री पप्पू जी कोचले ने कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन प्रदान किया। इस दौरान जिला अर्चक पुरोहित अंकित चौबे, प्रखंड मंत्री कान्हा टांक और संयोजक नितेश चौहान भी उपस्थित रहे।

हिंदू समाज की एकता पर जोर

अपने उद्बोधन में पप्पू जी कोचले ने कहा कि राष्ट्रविरोधी शक्तियां हिंदू समाज को जातियों में बांटकर तोड़ने का प्रयास कर रही हैं, जिससे सावधान रहने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि विश्व हिंदू परिषद 1964 से लगातार हिंदू समाज के धार्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा के लिए कार्य कर रहा है। उन्होंने राम जन्मभूमि आंदोलन, अमरनाथ श्राइन बोर्ड विवाद, राम सेतु आंदोलन, गोरक्षा, नारी रक्षा, मंदिरों एवं संतों की रक्षा जैसे अभियानों का उल्लेख करते हुए हिंदू युवाओं को संगठित होने का आह्वान किया।

श्री कोचले ने अपने जोशीले संबोधन में कहा कि धर्म और अधर्म के युद्ध में विजय सदैव सत्य की होती है, लेकिन बिना शस्त्र के इसे प्राप्त करना असंभव है। इसी उद्देश्य से त्रिशूल दीक्षा संपन्न करवाई गई और सभी कार्यकर्ताओं को "शस्त्र मेव जयते" का संकल्प दिलाया गया।

बजरंग दल शौर्य कुंभ का आयोजन 29 मार्च को

कार्यक्रम में आगामी 29 मार्च को इंदौर के नेहरू स्टेडियम में होने वाले बजरंग दल शौर्य कुंभ की जानकारी भी दी गई। इस विराट आयोजन में हजारों हिंदू युवाओं के जुटने की संभावना है। वक्ताओं ने सभी युवाओं से इस धर्म शौर्य कुंभ में सम्मिलित होकर सनातन धर्म की एकता और अखंडता के लिए संकल्प लेने का आह्वान किया।

छिन्दवाड़ा बन गया विश्व का पुण्य तीर्थ

विश्व को सहज योग की अनुपम भेंट देने वाली संस्थापिका परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी जी की जन्मस्थली है छिंदवाड़ा।21मार्च 1923 को छिन्दवाड़ा में जन्मी श्री माताजी ने आजीवन देश-विदेश में जा जाकर सहज योग की आध्यात्मिक जीवन पद्धति को जनसामान्य के जीवन का हिस्सा बनाने के लिए एक महा अभियान किया था। जिसकी परिणति स्वरूप विश्व के 120 देशों में सहज योग के न सिर्फ केंद्र स्थापित हुए अपितु सहज की साधना ने लोगों के जीवन में ऐसा परिवर्तन दिया कि वे उसके अनुभव के आनंद को हर किसी को बांटना चाहते हैं। जीवन को सरलता से जीने का अचूक सूत्र देने वाली श्री माताजी के प्रति अपनी कृतार्थता प्रदर्शित करना चाहते हैं। इसलिए देश विदेश से पधारे सहज योग के साधकों ने छिंदवाड़ा को तीर्थ समझा। साथ ही सहजयोग संस्था ने छिंदवाड़ा को श्राइन एवं लिंगा ग्राम के रूप में दो आध्यात्मिक स्थल विकसित कर श्रृंगारित कर दिया।

श्रीमाताजी निर्मला देवी जी आदिशक्ति महाअवतरण क्यों कही जाती हैं-वर्ष 1970 में विश्व को सामूहिक आत्मसाक्षात्कार की अनुपम भेंट देने वाली श्री माताजी को आदिशक्ति महा अवतरण कहा जाता है क्योंकि उन्होंने मानव के विकास को उसके अगले चरण में पहुंचाया है। इसे इस तरह समझा जा सकता है। क्रमिक उत्क्रांतिवाद की परंपरा मे अमीबा से लेकर बंदर और फिर मानव का विकास होने के बाद मनुष्य के केवल तीन आयाम सार्वजनिक रूप से खुले दैहिक, दैविक और भौतिक। वेदों के काल में याने आज से लगभग 21000 वर्ष पूर्व ऋषियो मनीषियों ने आध्यात्म की खोज में आत्मा को ढूँढ निकाला और कोअहम् का उत्तर मिला सोअहम् । परंतु यह खोज गहन व्यक्तिगत साधना का परिणाम थी जिसे पाने हेतु कई जन्मों की तपस्या करना होता था। परवर्ती काल में आदि शंकराचार्य बुद्ध और महावीर ने इसी आनंद को पाने की बात कही। दयानंद सरस्वती ने वेद विद्या का प्रचार इसी ब्रह्म ज्ञान के कारण किया।सोलहवी शताब्दी तक आते आते अनेक सामान्य देह धारी संतों ने इसे पाने की इच्छा व्यक्त की जिसे ईश एकाकारिता या मोक्ष कहा गया। परंतु जन सामान्य को इच्छा व्यक्त करने पर ईश तत्व सुलभ कहाँ हो पाता था यह तो एक कठिन तपस्या की मांग करता था। गुरूनानक

देव, तुकाराम, नामदेव, रैदास, मीरा, कबीर, तुलसी सब के सब संतजन सामान्य में आत्मा के जागरण की प्रार्थना करते रहे। और तब आई बीसवी शताब्दी जिसमें श्री माताजी निर्मला देवी ने सामूहिक आत्मसाक्षात्कार की विधि का आविष्कार किया। ब्रह्माण्ड में व्याप्त परम चेतना जिसे ऋतम्भरा प्रज्ञा कहा गया उसे सामूहिक रुप से मानव की हथेलियों पर से बहा दिया। अब विकास के पायदान पर मानव जाति एक कदम आगे बढ़ चुकी है वह ईश्वरीय परम चेतना को अपने हाथों में अनुभव कर सकती है। जिस सत्यमेव जयते का उद्घोष वेद करते हैं, उस परम सत्य को प्रत्येक मानव के लिए सुलभ कराने का महा अविष्कार किया है श्री माताजी निर्मला देवी जी ने। इसलिए मानव जाति उन्हे महा अवतरण कहती है। ऐसे में सिंहों की भूमि छिन्दवाड़ा का जन्मस्थल सहजयोगी साधकों के लिए पुण्य तीर्थ बन जाता है। अतः विश्व की सामूहिकता माँ की जन्म स्थली पर प्रतिवर्ष उत्सव मनाती है । प्रेम में डूबी हुई सहजयोगियों की धरती सारे विश्व के सहज साधकों के आगमन की बाट जोह रही है। ऐसे भव्य समारोह में कौन शामिल नहीं होना चाहेगा।

सामूहिक आत्म साक्षात्कार एक बड़ा अविष्कार क्यों है

जन सामान्य की एक साथ सामूहिक रूप से कुंडलिनी पर कार्य करके उनमें से प्रत्येक को परम चेतना का अपने सूक्ष्म शरीर पर अनुभव करवाना एक बड़ा अविष्कार है क्योंकि कुंडलिनी ब्रह्म शक्ति है इस पर कार्य करने का अधिकार केवल ब्रह्म शक्ति को ही हो सकता है एक द्वारा एक पर नहीं अनेक पर एक साथ कार्य करने वाली श्री माताजी निर्मला देवी को इसीलिए महाअवतरण कहा जाता है हथेलियों पर ईश्वर तत्व के बहने का अनुपम अनुभव मानव के आत्म साक्षात्कारी होने का प्रमाण है , श्री माताजी की कृपा से यह सर्वसामान्य को निशुल्क उपलब्ध है वैसे ही जैसे हवा, पानी और अमूल्य जीवन हमें निशुल्क मिला है। एक विश्व गुरु के रूप में भारत संपूर्ण विश्व को आत्मसाक्षात्कार का अनुभव पाने का आमंत्रण यहीं से देता है। इस पुण्य भूमि में बाँहे फैला कर सबका स्वागत है हृदय खोल कर सबके लिए दुआ है।

ट्रंप के टैरिफ से अमेरिकी अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता बढ़ी

टैरिफ के कारण निवेश में कमी और शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ (शुल्क) को लेकर आक्रामक आर्थिक नीति कई विरोधाभासी विचारों से भरी है। उनके सलाहकार भी अलग-अलग बातें कर रहे हैं। एक तरफ, उनका कहना है कि दूसरे देश अमेरिका को लूट रहे हैं और उन्हें रोकना जरूरी है। दूसरी तरफ, वे कनाडा, मेक्सिको और चीन के साथ ड्रग्स की लड़ाई की बात कर रहे हैं। कुछ लोगों का यह भी मानना है कि टैरिफ से देश के 36 ट्रिलियन डॉलर के कर्ज को कम करने में मदद मिलेगी। लेकिन, इन सब बातों के बीच अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर ट्रंप के टैरिफ का असर दिख रहा है। कनाडा, मेक्सिको और चीन से आने वाले सामानों पर भारी शुल्क लगाने से अनिश्चितता बढ़ गई है। इससे व्यापार में निवेश और लोगों का भरोसा कम हुआ है। शेयर बाजार में भी लगातार उतार-चढ़ाव हो रहा है। इस वजह से फेडरल रिजर्व (अमेरिकी केंद्रीय बैंक) भी ब्याज दरों को कम करने से हिचकिचा रहा है। वह इंतजार कर रहा है कि ट्रंप आगे क्या कदम उठाते हैं और उसका अर्थव्यवस्था पर क्या असर होता है।

मंदी के लिए भी रेडी

वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक ने सीबीएस न्यूज से कहा कि ट्रंप के टैरिफ इतने महत्वपूर्ण हैं कि अगर इससे अमेरिका में मंदी भी आ जाए तो भी यह इसके लायक है। वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने भी मंदी की संभावना से इनकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि अगर दूसरे देश अपनी व्यापार बाधाओं को कम करते हैं तो कुछ टैरिफ को कम किया जा सकता है।

ट्रंप और उनके सलाहकार अपनी आर्थिक रणनीति को स्पष्ट करने के बजाय अनिश्चितता को ही अपनी नीति का हिस्सा मान रहे हैं। व्हाइट हाउस के नेशनल इकोनॉमिक काउंसिल के डायरेक्टर केविन हैसेट ने सीएनबीसी पर कहा कि 2 अप्रैल तक कुछ अनिश्चितता रहेगी। ट्रंप से जब पूछा गया कि क्या वह कारोबारियों को अपनी नीति के बारे में स्पष्ट जानकारी देंगे तो उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि कंपनियों को निश्चितता की जरूरत है। उन्होंने फॉक्स न्यूज पर मारिया बार्टिरोमो को बताया कि वह ऐसा कहते हैं, यह कहना अच्छा लगता है। लेकिन, सालों से बड़े वैश्विक खिलाड़ी अमेरिका को लूट रहे हैं। वे अमेरिका से पैसा निकाल रहे हैं। हम सिर्फ कुछ पैसा वापस ले रहे हैं। हम अपने देश के साथ न्याय करेंगे।

मंदी की आशंका से नहीं किया जा रहा इनकार- ट्रंप ने मंदी की संभावना से भी इनकार नहीं किया है। अर्थशास्त्रियों और विश्लेषकों का कहना है कि इस अनिश्चितता के कारण मंदी की आशंका बढ़ सकती है। फेडरल रिजर्व ने भी इस अनिश्चितता पर ध्यान दिया है। उसने ब्याज दरों को स्थिर रखा है। अमेरिका की अर्थव्यवस्था के लिए ज्यादा महंगाई और धीमी ग्रोथ का अनुमान लगाया है। फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने कहा कि अनिश्चितता बहुत ज्यादा है। रेटिंग एजेंसी फिच ने चेतावनी दी है कि ट्रंप की ओर से शुरू किए गए वैश्विक व्यापार युद्ध से वैश्विक विकास कम होगा। अमेरिकी उत्पादन धीमा होगा। साथ ही, कीमतें बढ़ेंगी और फेडरल रिजर्व की ब्याज दर में कटौती में देरी होगी।

अप्रत्याशित बने रहना चाहते हैं ट्रंप

इस अनिश्चितता का मुख्य कारण यह है कि ट्रंप टैरिफ को व्यापार में सुधार के बजाय नीतिगत मुद्दों को सुलझाने के लिए एक हथियार के रूप में देखते हैं। वह अपनी सौदेबाजी की ताकत बढ़ाने के लिए अप्रत्याशित बने रहना चाहते हैं। सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज के आर्थिक सुरक्षा और प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष नवीन गिरिशंकर ने कहा कि ट्रंप 2.0 की शुरुआत में रणनीतिक तालमेल और प्रभावी समन्वय की कमी है। इस वजह से नीति में अस्थिरता आ रही है, जिसका असर वित्तीय बाजारों और अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। इन्वेस्टमेंट फर्म वेदा पार्टनर्स की आर्थिक नीति निदेशक हेनरिटा ट्रेज ने कहा कि सांसदों को उम्मीद है कि टैरिफ सिर्फ एक बातचीत की रणनीति है। जब इस बारे में निश्चितता होगी तो बाजार शांत हो जाएंगे। हालांकि, निवेशकों को अभी भी डर लग रहा है। कैपिटल हिल पर यह राय बन रही है कि 1 अप्रैल के बाद निश्चितता आ जाएगी और बाजार शांत हो जाएंगे। लेकिन, ज्यादातर निवेशकों को ऐसा नहीं लगता। वे मानते हैं कि अनिश्चितता से निकट भविष्य में अस्थिरता आएगी। इसका अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ेगा। ट्रंप ने अपनी बातचीत की रणनीति के तहत टैरिफ को कम करने या हटाने की इच्छा दिखाई है। लेकिन, यह स्पष्ट नहीं है कि बाजार की प्रतिक्रिया से उनके फैसलों पर कोई असर पड़ा है। उनके शीर्ष आर्थिक सलाहकार भी उनकी नीतियों को बदलने के लिए तैयार नहीं दिखते हैं।

डीएमके सरकार के आरोपों के बीच, वित्त मंत्री का बयान- पीएलआई योजना के तहत तमिलनाडु को मिला बड़ा फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। तमिलनाडु की डीएमके सरकार तीन भाषा नीति और परिसीमन के मुद्दे पर केंद्र सरकार पर हमलावर है। डीएमके सरकार का कहना है कि केंद्र द्वारा राज्य की अनदेखी की जा रही है। इस बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का बड़ा बयान सामने आया है। वित्त मंत्री ने बताया है कि केंद्र सरकार की पीएलआई योजना के तहत तमिलनाडु को बड़ा फायदा मिला है और इलेक्ट्रोनिक्स और ऑटोमोबाइल सेक्टर के बड़े प्रोजेक्ट राज्य को मिले हैं। चेन्नई में शनिवार की शाम को चेन्नई सिटिजन फोरम द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में वित्त मंत्री ने तमिलनाडु सरकार द्वारा केंद्र सरकार पर फंडिंग के मामले में राज्य की अनदेखी करने के आरोपों पर कहा कि तमिलनाडु, पीएलआई योजना के सबसे बड़े लाभार्थी राज्यों में से एक है। केंद्र सरकार ने पीएलआई योजना के तहत इलेक्ट्रोनिक्स पार्ट्स बनाने वाली और ऑटोमोबाइल सेक्टर की 27 कंपनियों को मंजूरी दी थी, इनमें से सात कंपनियां तमिलनाडु की हैं।

वित्त मंत्री ने बिना किसी का नाम लिए राज्य सरकार के उन दावों को खारिज कर दिया कि उन्हें केंद्र से केंद्रीय कर में बेहद कम हिस्सा मिला है। वित्त मंत्री ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि राज्य सरकार ने किस गणना के आधार पर यह बात कही है, लेकिन मैं इतना कह सकती हूं कि बीते 10 वर्षों में केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं से राज्य को काफी फायदा हुआ है।

शेयर मार्केट में रिस्क बढ़ा है... सेबी चेयरमैन ने ट्रेडर्स को किया अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार को रेग्युलेट करने वाले संस्था सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने निवेशकों को अलर्ट किया है। उन्होंने कहा कि ग्लोबली कुछ कारण हैं जिनकी वजह से बाजार में जोखिम बढ़ गया है। तुहिन कांत पांडे ने कहा- जहां तक जोखिम का सवाल है, मुझे लगता है कि यह सामान्य बाजार जोखिम है। निश्चित रूप से वैश्विक, भू-राजनीतिक और भू-आर्थिक कारणों से जोखिम बढ़ा हुआ है। उन्होंने मौजूदा बाजार अनिश्चितताओं की उत्पत्ति को कोविड-19 महामारी से जोड़कर देखा। उन्होंने निवेशकों को सलाह देते हुए कहा कि आपको ऋण और इक्विटी आदि के बीच संतुलन बनाना होगा। सेबी चेयरपर्सन ने भारत के पूंजी बाजार के इंफ्रा में विश्वास व्यक्त किया और इसे दुनिया में सर्वश्रेष्ठ में से एक बताया। इन चुनौतियों के बावजूद पांडे ने कहा कि देश इन मुद्दों को कम करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। उन्होंने वैश्विक अनिश्चितता के लिए रणनीतिक प्रतिक्रियाओं के उदाहरणों के रूप में संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौतों पर बातचीत करने और विभिन्न अन्य देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों को आगे बढ़ाने के भारत के प्रयासों की ओर इशारा किया।

केंद्र सरकार ने प्याज निर्यात पर 20 प्रतिशत शुल्क वापस लिया, आदेश 1 अप्रैल से होगा प्रभावी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने शनिवार को प्याज निर्यात पर लगाए गए 20 फीसदी शुल्क को हटाने का फैसला किया। यह शुल्क सितंबर 2024 में लगाया गया था। यह निर्णय एक अप्रैल 2025 से प्रभावी होगा। उपभोक्ता मामलों के विभाग के अनुरोध पर राजस्व विभाग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी की है। घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने 8 दिसंबर 2023 से 3 मई 2024 तक लगभग पांच महीने तक निर्यात पर नियंत्रण रखा था। इस दौरान निर्यात शुल्क, न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) और निर्यात प्रतिबंध जैसी नीतियों को लागू किया गया था।

हालांकि, इन प्रतिबंधों के बावजूद 2023-24 में कुल 17.17 लाख टन और 2024-25 (18 मार्च तक) में 11.65 लाख टन प्याज का निर्यात हुआ। सितंबर 2024 में निर्यात मात्रा 0.72 लाख टन थी, जो जनवरी 2025 तक बढ़कर 1.85 लाख टन हो गई। सरकार ने कहा, यह निर्णय सरकार की उस प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसमें किसानों को लाभकारी मूल्य दिलाने और उपभोक्ताओं के लिए प्याज को सुलभ बनाए रखने का संतुलन रखा गया है। रबी फसल की अच्छी आवक के चलते मंडी और खुदरा कीमतों में नरमी आई है। हालांकि, मौजूदा मंडी कीमतें पिछले वर्षों की इसी अवधि के स्तर से ऊपर हैं, फिर भी अखिल भारतीय भारित औसत मॉडल कीमतों में 39 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है। इसी तरह, पिछले एक महीने में अखिल भारतीय औसत खुदरा कीमतों में 10 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

रबी प्याज उत्पादन में 18 प्रतिशत की वृद्धि

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अनुमान के मुताबिक, इस साल रबी उत्पादन 227 लाख मीट्रिक टन रहेगा, जो पिछले साल के 192 लाख टन से 18 प्रतिशत अधिक है। रबी प्याज भारत के कुल उत्पादन का 70-75 प्रतिशत होता है, जो अक्टूबर-नवंबर में खरीफ फसल आने तक कीमतों को स्थिर बनाए रखने में मदद करता है। खाद्य मंत्रालय ने कहा कि इस वर्ष अनुमानित उच्च उत्पादन से आने वाले महीनों में बाजार मूल्य और घटने की संभावना है।

प्याज की कीमतों में गिरावट

अखिल भारतीय औसत मॉडल कीमतों में 39 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। पिछले एक महीने में खुदरा प्याज कीमतों में 10 प्रतिशत की कमी आई है।

धर्मार्थ ट्रस्ट के सदस्यों पर लगे वित्तीय अनियमितता के आरोप, अदालत ने नियुक्त किए 11 नए ट्रस्टी

नई दिल्ली, एजेंसी। ठाणे के एक धर्मार्थ ट्रस्ट के पुराने ट्रस्टियों पर ट्रस्ट में वित्तीय अनियमितता करने और प्रशासनिक खामियां करने का आरोप लगा है। इसके बाद ठाणे की एक अदालत ने पिछले ट्रस्टियों को फिर से नियुक्त करने से इनकार कर दिया और 11 नए ट्रस्टियों को नियुक्त किया है।

भिवंडी के जिला न्यायाधीश एनके कारंडे ने कहा कि ट्रस्ट के प्रशासन और विकास के लिए भीमेश्वर सदगुरु नित्यानंद संस्था के नए ट्रस्टियों की नियुक्ति जरूरी है। अदालत ने फैसला सुनाया कि मौजूदा ट्रस्टियों के खिलाफ जांच चल रही है और उन्होंने प्रशासनिक खामियां की हैं। भीमेश्वर सदगुरु नित्यानंद संस्था गणेशपुरी बॉम्बे पब्लिक ट्रस्ट अधिनियम, 1950 के तहत एक पंजीकृत धर्मार्थ ट्रस्ट है। यहां ट्रस्टियों को पांच साल के लिए नियुक्त

किया जाता है। कार्यकाल समाप्त होने पर जिला न्यायालय द्वारा नई नियुक्तियां की जाती हैं।

पिछले ट्रस्टियों को 2016 में पांच साल के कार्यकाल के लिए नियुक्त किया गया था। उनका कार्यकाल 16 नवंबर 2021 को समाप्त हो गया। नियुक्ति प्रक्रिया में देरी और वित्तीय अनियमितताओं के कई आरोपों के कारण मुकदमेबाजी चलने से नए सदस्यों की नियुक्ति नहीं हो सकी। कई ट्रस्टियों के खिलाफ वित्तीय कुप्रबंधन समेत कई शिकायतें मिलीं। चैरिटी कमिश्नर की रिपोर्ट के मुताबिक कुछ ट्रस्टियों के खिलाफ चल रही अनियमितता, अनादर, कदाचार की शिकायतों की जांच चल रही है। वहीं ग्रामीणों, ट्रस्ट कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों ने भी ट्रस्ट प्रशासन और आर्थिक लेन-देन पर चिंता जताई थी। कई ट्रस्टी वर्ष 2019-2020 और 2020-21 के लिए ऑडिट रिपोर्ट और वित्तीय खाते जमा करने में भी विफल रहे। इसके बाद कोर्ट ने माना कि ट्रस्ट के प्रभावी प्रशासन और विकास के लिए नए ट्रस्टियों की नियुक्ति की आवश्यकता है। कोर्ट ने एक सार्वजनिक नोटिस जारी करके ट्रस्टी बनने के लिए आवेदन मांगे।

सीएम ने शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को दी श्रद्धांजलि

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के बलिदान दिवस (23 मार्च) पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने कहा कि इन वीर सपूतों के बलिदान की स्मृतियां देश के कण-कण में विद्यमान है और आने वाली पीढ़ियों को हमेशा राष्ट्रभक्ति और साहस की प्रेरणा देता रहेगा। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने संदेश में कहा कि मां भारती के इन महान सपूतों ने देश की स्वतंत्रता के लिए हंसते-हंसते फांसी का फंदा चूम लिया। उनका त्याग और वीरता हम सभी के लिए आदर्श है। हमें उनके सपनों के अनुरूप भारत को समृद्ध, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर कार्य करना होगा। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी युवाओं से अपील की है कि वे भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के महान आदर्शों को अपनाकर राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि इन वीर शहीदों की शहादत हमेशा याद की जाएगी और देश उनके सपनों को साकार करने के लिए सतत प्रयास करता रहेगा।

मुख्यमंत्री अमर शहीद हेमू कालाणी की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मां भारती के वीर सपूत अमर शहीद हेमू कालाणी जी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शहीद हेमू कालाणी ने मात्र 19 वर्ष की अल्पायु में देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उनका सर्वोच्च बलिदान राष्ट्र के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बना रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मातृभूमि के प्रति शहीद हेमू कालाणी की निष्ठा, समर्पण और प्रेम सदैव देशवासियों को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करेगा।

सीबीआई की रिपोर्ट, सुशांत केस में हत्या के सबूत नहीं

रिया के वकील बोले-झूठी कहानियां बनाई गईं, परिवार चुप रहकर सब सहता रहा

मुंबई (एजेंसी)। सुशांत सिंह राजपूत डेथ केस में सीबीआई ने 4 साल 6 महीने 15 दिन बाद फाइनल क्लोजर रिपोर्ट फाइल की है। जिसमें जांच एजेंसी ने कहा है कि आत्महत्या के लिए सुशांत को उकसाने का कोई सबूत नहीं मिला है। सुशांत सिंह राजपूत 14 जून 2020 को बांद्रा में अपने घर पर रहस्यमय तरीके से मृत पाए गए थे। मीडिया और विपक्षी दलों के प्रेशर की वजह से इस मामले की जांच को सीबीआई को सौंपा गया। अब सीबीआई की आखिरी रिपोर्ट में मौत की असल वजह सुसाइड ही बताई गई है। इस मामले में रिया चक्रवर्ती को 27 दिन जेल में रहना पड़ा था। सीबीआई की तरफ से फाइनल रिपोर्ट सामने आने के बाद रिया के वकील सतीश मानेशिंदे ने बयान जारी कर कहा कि इस मामले में कई झूठी कहानियां बनाई गईं। इसके बावजूद रिया और उनका परिवार चुप रहकर सब सहता रहा। रिया पर आत्महत्या के लिए उकसाने, धोखाधड़ी और पैसों के हेरफेर के आरोप लगाए गए थे।

भारत अपनी 'भारत पहले' नीति पर रहेगा कायम

- विदेश मंत्री जयशंकर बोले-फायदा-नुकसान देखना होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत की मुक्त व्यापार रणनीति पर बात की है। उन्होंने ट्रेड पॉलिसी से जुड़े कई पहलुओं पर से पर्दा उठाया है। बिजनेस टुडे के एक कार्यक्रम में विदेश मंत्री ने कहा कि मुक्त व्यापार समझौते हमेशा से भारत के लिए महत्वपूर्ण रहे हैं। अब तो ये और भी जरूरी हो गए हैं। भारत इस बात को समझता है। फिलहाल, भारत तीन महत्वपूर्ण समझौतों पर काम कर रहा है। ये समझौते यूरोपीय संघ, ब्रिटेन और अमेरिका के साथ हैं। न्यूजीलैंड के साथ भी बातचीत शुरू हो गई है। कुछ और समझौते भी पाइपलाइन में हैं।

मेहुल चोकसी को भारत लाने की तैयारी

- पत्नी के साथ बेल्जियम में रह रहा, 13,850 करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। गीतांजलि जेम्स के मालिक और 13,850 करोड़ रुपए के बैंक घोटाले के मुख्य आरोपी मेहुल चोकसी अपनी पत्नी प्रीति चोकसी के साथ बेल्जियम में रह रहा है। ये बेल्जियम के एंटवर्प शहर में रेजीडेंसी कार्ड पर रह रहें है। पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के बाद 2018 में भारत से एंटीगुआ-बारबूडा भाग गया था। चोकसी को भारत लाने के लिए अधिकारियों ने बेल्जियम सरकार से प्रत्यर्पण प्रक्रिया शुरू करने की मांग की है। मेहुल चोकसी और नीरव मोदी पर पंजाब नेशनल बैंक की मुंबई स्थित ब्रेडी हाउस ब्रांच में 13,850 करोड़ रुपए का घोटाला करने का आरोप है। इससे पहले चोकसी ने पासपोर्ट सस्पेंड होने के कारण भारत नहीं लौट पाने का बहाना बनाया था। 2018 में भारत छोड़ने से पहले ही चोकसी ने 2017 में ही एंटीगुआ-बारबूडा की नागरिकता ले ली थी। मेहुल चोकसी बार- बार खराब सेहत का हवाला देकर भारत में पेशी पर आने से इनकार देता था। कभी-कभी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ही उसकी पेशी होती है। भारत में उसकी कई संपत्तियां भी जब्त की जा चुकी हैं। चोकसी मई 2021 में एंटीगुआ से गायब होकर पड़ोसी देश डोमिनिका पहुंच गया था। यहां उसे अरेस्ट कर लिया गया। एनआईए की एक टीम उसका प्रत्यर्पण कराने के लिए डोमिनिका पहुंची, लेकिन इसके पहले ही ब्रिटिश क्वीन की प्रिवी काउंसिल से उसे राहत मिल गई। बाद में उसे फिर एंटीगुआ के हवाले कर दिया गया। हालांकि, डोमिनिका की जेल में मेहुल चोकसी को 51 दिन गुजारने पड़े थे। यहां उसने दलील दी थी कि वो एंटीगुआ जाकर वहां के एक न्यूरोलॉजिस्ट से ट्रीटमेंट कराना चाहता है।

आलोट विधायक को बीजपी ने जारी किया शो-कॉज नोटिस

- सिंहस्थ जमीन अधिग्रहण के मामले में विधानसभा में अपनी ही सरकार को घेरा था

भोपाल। रतलाम जिले के आलोट विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक चिंतामणि मालवीय को प्रदेश भाजपा ने शो- काज नोटिस जारी किया है। चिंतामणि मालवीय ने विधानसभा के बजट सत्र के दौरान उज्जैन सिंहस्थ क्षेत्र में जमीनों की स्थायी अधिग्रहण को लेकर अपने ही सरकार को घेरा था। सरकार को अपने ही विधायक के कारण बैक फुट पर आना पड़ा था। मामले की जानकारी केंद्रीय नेतृत्व तक पहुंची,

इसके बाद प्रदेश नेतृत्व की ओर से चिंतामणि मालवीय को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा की ओर से जारी हुए नोटिस में लिखा गया है कि चिंतामणि मालवीय के ताजा बयानों और कृत्यों की वजह से पार्टी की प्रतिष्ठा प्रभावित हो रही है। चिंतामणि मालवीय को 7 दिनों में जवाब देने के लिए कहा गया है। बजट पर बोलते हुए आलोट से बीजेपी विधायक चिंतामणि मालवीय ने कहा- मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने 2 हजार करोड़ रुपए उज्जैन सिंहस्थ के लिए रखे हैं, उज्जैन उन पर अभिमान करता है। उज्जैन उनको अपना नेता मानता है, उज्जैन को गर्व है कि मध्यप्रदेश का मुख्यमंत्री उज्जैन से है।

जज कैश केस में सुप्रीम कोर्ट ने जारी की जांच रिपोर्ट

नोटों के फोटो-वीडियो वेबसाइट पर डाले, काम देने पर रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने 22 मार्च की देर रात दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के घर से मिले कैश की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक कर दी। इसमें कैश का वीडियो भी है। साथ ही तीन तस्वीरें भी जारी की गई हैं। इसमें 500 रुपए के जले हुए नोटों के बंडल दिखाई दे

- मोबाइल रिकॉर्ड की जांच होगी, तीन तस्वीरें भी की गईं जारी

रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि 14 मार्च को जस्टिस के घर आग लगने के बाद फायर ब्रिगेड की टीम वहां पहुंची थीं। आग पर काबू पाने के बाद 4-5 अधजली बोरियां मिलीं, उनके अंदर नोट भरे हुए थे। रिपोर्ट में जस्टिस वर्मा का पक्ष भी है, जिसमें उन्होंने कहा है कि जिस स्टोर रूम में नोटों की गड्डियां मिलने की बात की जा रही है, वहां उन्होंने या उनके परिवार ने कभी कोई पैसा नहीं रखा। वो एक ऐसी खुली जगह है, जहां हर किसी का आना जाना होता है। उन्हें इस मामले में फंसाया जा रहा है। दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय ने इंटरनल इन्क्वायरी के बाद सुप्रीम कोर्ट को 21 मार्च को रिपोर्ट सौंपी थी।

पुलिस की रिपोर्ट: जज के पीए ने दी आग लगने की सूचना

भारतीय मुद्रा पुलिस ने हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को दी रिपोर्ट में कहा है कि 14 मार्च रात 11.45 बजे पीसीआर को जस्टिस वर्मा के 30, तुगलाक क्रेसेंट बंगले में आग लगने की जानकारी मिली। दो दमकल वाहनों को बुलाया गया। आग कोठी की चारदिवारी के कोने में स्थित कमरे में लगी। इन्हीं से लगे कमरे में सुरक्षाकर्मी रहते हैं। शॉर्ट सर्किट से लगी आग पर तुरंत काबू पाया गया। आग बुझने के बाद कमर में अधजले नोट से भरी 4-5 अधजली बोरियां मिलीं। आग की जानकारी जज के निजी सचिव ने दी। जस्टिस वर्मा को कोई भी काम न सौंपने का आदेश 22 मार्च को सीजेआई संजीव खन्ना ने जस्टिस वर्मा पर लगे आरोपों की इंटरनल जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति बनाई थी।

एमपी में थमेगा बारिश-ओले का दौर, पारा बढ़ेगा

भोपाल। मध्यप्रदेश में ओले-बारिश और आंधी का दौर रविवार से थम जाएगा। वहीं, अगले 3 दिन तक पारे में बढ़ोतरी होगी। पारा 3 से 4 डिग्री तक बढ़ सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक, 25-26 मार्च से प्रदेश में नए सिस्टम का असर देखने को मिलेगा। रविवार से एक वेस्टर्न

- तीन दिन में होगी 4 डिग्री तक बढ़ोतरी; 25 मार्च से नए सिस्टम का असर

डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव हो रहा है, जो पश्चिमी हिमालय क्षेत्र को प्रभावित करेगा। दो दिन बाद प्रदेश में असर देखने को मिल सकता है। इससे पहले शनिवार को प्रदेश में मौसम का मिला-जुला असर दिखाई दिया। भोपाल, इंदौर-उज्जैन में तीखी धूप रही तो शहडोल, रीवा, सीधी, मऊगंज, अनूपपुर आदि जिलों में ओले, बारिश और आंधी चली। शहडोल के तितरा गांव में 55 वर्षीय महिला रमसखिया केवट की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। सीधी में तेज बारिश के साथ ओले भी गिरे। जिससे चना, मसूर, अरहर और गेहूं की फसल को नुकसान पहुंचा है। भोपाल में शनिवार सुबह से ही गर्मी का असर देखा गया। इस वजह से अधिकतम तापमान 34 डिग्री के पार पहुंच गया। इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर में भी ऐसा ही मौसम रहा। इससे पहले शुक्रवार-शनिवार को प्रदेश में बारिश और आंधी की स्थिति बनी रही। कहीं ओले गिरे तो कहीं बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, शहडोल, अनूपपुर, सीधी, सतना, कटनी, सिंगरौली, दमोह, पन्ना, डिंडौरी, उमरिया, सागर, बालाघाट, सिवनी, जबलपुर, रीवा में बारिश और आंधी चली। 55 से अधिक शहर या कस्बों में मौसम का असर देखा गया। सागर, उमरिया समेत कई जिलों में ओले भी गिरे। वहीं, सिंगरौली में 54 किमी, रीवा में 39 किमी, जबलपुर में 34 किमी, मंडला-सागर में 30 किमी और छिंदवाड़ा में 28 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से हवा चली। मौसम विभाग के अनुसार, मार्च के आखिरी दिन यानी, 27 से 31 मार्च के बीच प्रदेश में फिर से गर्मी का असर देखने को मिलेगा। कुछ इलाकों में लू भी चल सकती है। कई शहरों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच सकता है। सामान्यतः दिन का तापमान 40 डिग्री से अधिक या सामान्य से 4.6 डिग्री तक अधिक हो तो हीट वेव यानी लू की स्थिति मानी जाती है। बता दें कि मार्च से गर्मी के सीजन की शुरुआत हो जाती है। अगले 4 महीने तेज गर्मी पड़ेगी। मौसम विभाग ने मार्च से मई तक 15 से 20 दिन हीट वेव चलने का अनुमान जताया है। अप्रैल-मई में हीट वेव का असर ज्यादा हो सकता है।

इंदौर में चलेगा जल गंगा जल संरक्षण अभियान

नये तालाब बनेंगे, पुराने तालाबों, बावड़ियों तथा कुँओं का होगा जीर्णोद्धार, सघन वृक्षारोपण भी किया जायेगा, मंत्री श्री सिलावट की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न

इन्दौर (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुसार इंदौर जिले में जल गंगा जल संरक्षण अभियान चलाया जायेगा। इस अभियान के अंतर्गत जहां एक ओर नये तालाब बनाये जायेंगे, वहीं दूसरी ओर पुराने तालाबों, बावड़ियों और कुँओं का जीर्णोद्धार कराया जायेगा। साथ ही सघन वृक्षारोपण भी होगा। इसके लिए जिले में विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है। यह अभियान 30 मार्च से प्रारंभ होकर आगामी 30 जून तक सतत चलेगा। यह जानकारी आज यहाँ जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय में सम्पन्न हुई बैठक में दी गई। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह, जिला पंचायत के सीईओ श्री सिद्धार्थ जैन, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना सतीश मालवीय, विधायक सुश्री उषा ठाकुर, श्री मनोज पटेल तथा श्री मधु वर्मा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री भारत सिंह पटेल, श्री श्रवण चावड़ा सहित अन्य जनप्रतिनिधि और संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार यह अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। यह अभियान जन-जन के जीवन से जुड़ा महत्वपूर्ण अभियान है। ÷जल है तो कल है÷, जल से आने वाली पीढ़ी का भविष्य जुड़ा हुआ है। जल चिन्ता व चिंतन दोनों का विषय है। जल हमारी धरोहर है। हमारी संस्कृति एवं परंपरा में जल और वृक्षों की पूजा का बड़ा महत्व है, इसको देखते हुए इस अभियान को बेहतर और प्रभावी रूप से क्रियान्वित करना होगा। इस अभियान समाज के हर वर्ग की भागीदारी से जन आंदोलन बनाया जायेगा। हमारा प्रयास होगा की यह अभियान एक आदर्श और अनुकरणीय हो तथा देश में नम्बर वन बनें। बैठक के पश्चात अतिथियों ने कलेक्टर कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने कहा कि इस अभियान को सभी के सहयोग से जन आंदोलन के रूप में चलाया जायेगा। अभियान में जल संरक्षण के साथ ही वृक्षारोपण पर भी विशेष ध्यान दिया जायेगा। बैठक में बताया गया कि अभियान के तहत शुरूआत में ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व वाले तालाबों, जल स्रोतों तथा देवालयों में जल संरक्षण के कार्य किये जायेंगे। जल गंगा जल संरक्षण अभियान की शुरुआत 30 मार्च 2025 से की जायेगी। इस अभियान में जल स्रोतों और देवालयों की सफाई की योजना बनाई जाएगी। यह संतों, जन प्रतिनिधियों, स्थानीय समुदाय और सरकार के संयुक्त प्रयास से संचालित होगा, जिसमें मशीन, सामग्री व श्रम का समुचित नियोजन किया जाएगा। कार्य पूर्ण होने पर वरुण पूजन और जल अभिषेक होगा तथा रखरखाव की जिम्मेदारी स्थानीय समुदायों को दी जाएगी।

बनेंगे 19 नये अमृत सरोवर : जिले में गत वर्ष चलाये गये अभियान के तहत 101 नये अमृत सरोवर बनाये गये थे। इन सरोवरों को राजस्व अभिलेखों में दर्ज करने की कार्यवाही की जायेगी। अभियान में अमृत सरोवर 2.0 के तहत 19 नए तालाबों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है, जिस पर लगभग 4 करोड़ 18 लाख रुपये व्यय होना संभावित है। अब तक 10 स्थलों का चयन हो चुका है, जबकि शेष का चयन 30 मार्च 2025 तक वैज्ञानिक पद्धति से किया जाएगा।

तालाबों से हटेंगे अतिक्रमण : अभियान के तहत राजस्व विभाग के साथ तालाबों का सीमांकन किया जायेगा। राजस्व अभिलेखों में नवीन तालाबों को दर्ज किया जायेगा। तालाबों पर अतिक्रमण को चिन्हित कर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जायेगी। तालाबों की सीमा को दर्शाने हेतु चाँद-मुनारे बनाये जायेंगे। तालाबों का जन भागीदारी से गहरीकरण होगा। मनरेगा एवं अन्य योजनाओं से तालाब का जीर्णोद्धार और सुदृढ़ीकरण किया जायेगा। तालाबों में जल की आवक बढ़ाने के लिये इनलेट क्षमता बढ़ायी जायेगी। तालाबों के पास पौधारोपण होगा। उपयोगकर्ता समूह बनाकर संधारण एवं रख रखाव किया जायेगा।

नदियों के स्त्रोत के कैचमेंट पर होंगे कार्य : जिले की महत्वपूर्ण नदियों के स्त्रोत से वाटरशेड क्षेत्र में जल संरक्षण एवं संवर्धन कार्य किये जायेंगे। रिमोट सेंसिंग और फील्ड सर्वेक्षण के आधार पर कार्ययोजना बनाकर एक वर्ष के भीतर कार्य पूर्ण किया जाएगा। गेबियन संरचना, ट्रेंच, वृक्षारोपण, चेकडेम तालाब आदि कार्य समुदाय की भागीदारी से किये जायेंगे।

पूर्व निर्मित जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार : पूर्व में उपयोगी रहे लेकिन वर्तमान में अनुपयोगी चेकडेम व स्टॉप डेम का सर्वेक्षण किया जाएगा। सर्वेक्षण के आधार पर जीर्णोद्धार की कार्ययोजना तैयार कर कार्य किये जायेंगे। गाद निकालने में समाज की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक कुँओं की मुण्डेर को सुव्यवस्थित किया जायेगा।

वृहद वृक्षारोपण : महात्मा गांधी नरेगा योजना के तहत वर्षाकाल में वानिकी व उद्यानिकी पौधरोपण के लिए पारंपरिक जल स्त्रोतों के निकट भूमि का चयन किया जाएगा। पौधों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु समीपस्थ नर्सरियों का निर्धारण किया जाएगा, जिसमें एसएचजी संचालित नर्सरियों को प्राथमिकता मिलेगी।

युवाओं को जलदूत बनाया जायेगा : प्रत्येक ग्राम से 1-2 युवा महिला या पुरुष का चयन कर जलदूत बनाया जायेगा। ये जलदूत जीर्णोद्धार, सफाई, शासकीय योजनाओं में हितग्राही चयन और जल के सदुपयोग हेतु जनजागरूकता बढ़ाने में सहयोग करेंगे। जलदूतों का पंजीकरण भी किया जाएगा।

पानी चौपाल/पानी पंचायत/जल पंचायत भी होंगी : जल संरक्षण के महत्व एवं अभियान के उद्देश्यों की जानकारी देने, जनता को जल संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति जागरूक करने, वर्षा जल का अधिकतम संरक्षण करने, भूजल संवर्धन कार्यों के विकल्प तैयार करने, आगामी वित्तीय वर्ष के जल संवर्धन से जुड़े हुये कार्यों की रणनीति तैयार कर इन कार्यों को क्रियान्वित करवाने के लिए पानी चौपाल/पानी पंचायत/जल पंचायत भी होंगी।

कलेक्टर की पहल पर नवाचार के तहत ऑनलाइन व्यवस्था बनाया गया नया पोर्टल

इन्दौर (निप्र)। इंदौर जिले में नयी कॉलोनियों को विकसित करने की अनुमति और कॉलोनाइजर के लायसेंस के लिए अब किसी भी कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने होंगे। इधर-उधर भी नहीं भटकना होगा। कॉलोनियों की विकास अनुमति और कॉलोनाइजर के लायसेंस के लिए आवेदन लेने और अनुमति जारी करने और लायसेंस देने के लिए कलेक्टर श्री आशीष सिंह की पहल पर नवाचार के तहत ऑनलाइन व्यवस्था शुरू की गई है। इसके तहत कॉलोनाइजर रजिस्ट्रेशन एवं ऑनलाइन परमिशन सिस्टम (क्रॉप्स) इंदौर नाम से पोर्टल तैयार किया गया है। यह जानकारी आज यहां कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई बैठक में दी गई। बैठक में अपर कलेक्टर श्री गौरव बेनल, क्रेडाई के श्री संदीप श्रीवास्तव सहित अन्य कॉलोनाईजर, डेवलपर्स, संबंधित विभागों के अधिकारी आदि मौजूद थे। बैठक में सभी ने कलेक्टर श्री आशीष सिंह के इस नवाचार की सराहना की और कहा कि इससे विकास अनुमति और लायसेंस प्राप्त करने में बेहद सुविधा होगी। हमें इधर-उधर नहीं भटकना होगा। काम सहजता के साथ होगा। समय की बचत भी होगी। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने कहा कि यह ऑनलाइन व्यवस्था एक अभिनव व्यवस्था है। कॉलोनाईजर और डेवलपर्स के लिए बेहद मददगार होगी। कॉलोनाईजर और डेवलपर्स के सुझाव और उनके अनुभव के आधार पर पोर्टल को ओर अधिक बेहतर तथा सुविधाजनक बनाया जायेगा।

निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण गुणवत्ता और आवेदकों की संतुष्टि के साथ किया जाये राजस्व प्रकरणों का निराकरण - कलेक्टर

राजस्व प्रकरणों के आवेदकों से फोन पर लिये गए फीडबैक में आवेदक की असंतुष्टि और खराब गुणवत्ता मिलने पर तहसीलदारों के विरूद्ध होगी कार्रवाई

कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में राजस्व अधिकारियों की बैठक संपन्न

इन्दौर (निप्र)। इंदौर जिले में आवेदकों की संतुष्टि के साथ निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ राजस्व प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। राजस्व प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिले में नवाचार के तहत राजस्व प्रकरणों के निराकरण के संबंध में आवेदकों से उनका फीडबैक लेने और संतुष्टि का स्तर पता करने के लिए सुशासन संवाद केंद्र की स्थापना की गई है। इस केंद्र ने अपना कार्य प्रारंभ कर दिया है। इस केन्द्र के माध्यम से लिये गये फीडबैक में आवेदकों की असंतुष्टि और खराब गुणवत्ता मिलने पर संबंधित तहसीलदारों के विरूद्ध विभागीय जांच प्रारंभ की जायेगी।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने आज यहां सभी अपर कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित अन्य राजस्व अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने कहा कि सभी राजस्व अधिकारी पूरी लगन, मेहनत, ईमानदारी और कर्मठता के साथ पारदर्शी रूप से कार्य करें। सभी अधिकारी राजस्व प्रकरणों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा में करें। प्रकरणों के निराकरण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। प्रकरण विस्तृत आदेश के साथ निराकृत करें। अपने कर्तव्यों के निर्वहन में किसी भी तरह की लापरवाही तथा उदासीनता नहीं बरतें। उदासीनता और लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जायेगी। लापरवाही तथा उदासीनता बरतने पर संबंधित अधिकारियों के विरूद्ध कार्रवाई की जायेगी।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री गौरव बेनल, श्रीमती ज्योति शर्मा, श्री राजेन्द्र रघुवंशी, श्रीमती निशा डामोर सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने विवादित तथा अविवादित नामांतरण और बटवारा, सीमांकन के लंबित प्रकरणों के निराकरण की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिये कि सीमांकन के प्रकरणों के निराकरण को प्राथमिकता दी जाये। सीमांकन के प्रकरण निराकरण होने के तुरंत पश्चात आवेदक को फील्ड बुक दी जाये। पुराने लंबित सीमांकन के प्रकरण तुरंत निराकृत करें। फार्मर रजिस्ट्री बनाने का कार्य इसी माह के अंत तक पूरा कर लिया जाये। उन्होंने आरआरसी के प्रकरण भी निराकृत करने की निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जारी वित्तीय वर्ष के कुछ ही दिन शेष है, इसको देखते हुए डायवर्सन सहित अन्य राजस्व वसूली को तेज करते हुए लक्ष्य पूर्ण करें।

ग्रीष्मकालीन मूंग में नींदानाशक का प्रयोग नहीं करने के लिए चलाया जाएगा जागरूकता अभियान

देवास (निप्र)। उप संचालक कृषि ने बताया कि किसानों द्वारा आमदनी बढ़ाने के लिए तीसरी फसल के तौर पर ग्रीष्मकालीन मूंग की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। नर्मदापुरम, हरदा, जबलपुर, विदिशा, सीहोर, नरसिंहपुर, रायसेन समेत कई जिलों में लगनग 14.39 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में मूंग लगाई जा रही है। देवास जिले में मुख्यतः खातेगांव, कन्नौद, सतवास तहसील में 45000 हेक्टेयर क्षेत्र में ग्रीष्मकालीन मूंग ली जाती है, जो 70 से 80 दिनों में फसल तैयार होती है, लेकिन तब तक मानसून आ जाता है। जिससे मूंग फसल खराब होने की संभावना रहती है। किसानभाई ग्रीष्मकालीन मूंग के स्थान पर चवला, उड़द व मक्का की बोवनी कर सकते हैं। किसानभाई मार्च के अंतिम सप्ताह तक मूंग फसल की बोनी कर दें। बारीश से फसल खराब न हो, इसके लिए किसान रासायनिक नींदानाशक का उपयोग करते हैं। इससे उपज तो प्रभावित होती ही है, साथ ही मृदा शक्ति (कृषि भूमि की स्वास्थ्य) भी कमजोर कर देती है। यहीं कारण है कि सरकार और कृषि वैज्ञानिक इससे चिंतित है और जागरूकता कार्यक्रम चलाने जा रही है।

कृषि विभाग के अधिकारियों का कहना है कि ग्रीष्मकालीन मूंग छह से आठ हजार रुपये प्रति किंटल की दर से बिकती है। किसानों के लिए यह अतिरिक्त आय का बड़ा माध्यम है। सिंचाई सुविधा के विस्तार के कारण किसान बड़े पैमाने पर मूंग की खेती करने लगे हैं। सरकार इसे न्यूनतम समर्थन मूल्य पर भी खरीदती है। लेकिन जिस तरह में फसल में कीटनाशक का उपयोग किसान कर रहे हैं, यह उपज की गुणवत्ता के साथ-साथ भूमि की मृदा शक्ति एवं मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पडता है। खाने लायक नहीं रहती मूंग कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार ग्रीष्मकालीन मूंग 70 से 80 दिनों की फसल है लेकिन इसे 20 से 25 दिन पहले ही पका लिया जा रहा है। दरअसल, किसानों को डर होता है कि वर्षा हो गई तो फसल बर्बाद हो जाएगी, इसलिए हानिकारक रसायन ग्वाइफोसेट, पेराक्वाट का उपयोग करके उसे जल्द पका लिया जाता है। कीट और खरपतवार से फसल के बचाव के लिए कीटनाशक और नींदानाशक का उपयोग अत्याधिक मात्रा में किया जाता है। कुल मिलाकर यह उपज खाने लायक नहीं रहती। इससे गंभीर बीमारियां हो रही हैं। किसान भी इस जहरीली मूंग के बारे में वाकिफ हैं, इसलिए ये लोग इसे स्वयं के उपयोग के लिए नहीं रखते हैं। मानव और पशु-पक्षियों के लिए हानिकारक फसल जल्दी पकाने के लिए किसान कीटनाशक के साथ पेराक्वाट डायक्लोराइड का छिड़काव करते हैं जो मानव स्वास्थ्य के साथ-साथ पशु-पक्षियों पशु के लिए हानिकारक है।

महाराजा भोज शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय धार में द्वितीय दिवस राष्ट्रीय वर्कशॉप रिसर्च मेथाडोलॉजी का समापन

धार (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस महाराजा भोज शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय धार में राष्ट्रीय कार्यशाला के समापन अवसर पर प्रथम सत्र में संबोधित करते हुए डॉ विनोद सेन सहायक प्राध्यापक इकोनॉमिक्स इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी अमरकंटक विषय रिसर्च एथिक्स ने कहा कि हमें नैतिक रिसर्च का निर्माण करना चाहिए क्योंकि अगले 40 वर्ष तक राष्ट्र के निर्माण के लिए अच्छे लोगों के रूप में काम करेगा एवं जीवन में बदलाव लाने के लिए जरूरी होना चाहिए साहित्य में एथिक्स का होना बहुत जरूरी है। इस सत्र की समीक्षा डॉक्टर प्रतीक्षा पाठक ने की।

डॉ आर बेंजामिन प्रोफेसर एंड हेड डिपार्मेंट का इंग्लिश भेरूलाल पाटीदार शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय महू विषय मैकेनिज्म ऑफ़ रिसर्च ने कहा कि आप जो भी रिसर्च करते हैं उसे कोई न कोई जरूर पढ़ता है सारे कौवे काले होते हैं लेकिन कभी-कभी कुछ कौवे सफेद भी हो सकते है। आज के जमाने के हिसाब से रिसर्च होना चाहिए, नहीं तो आपकी थीसिस कचरे के ढेर में पड़ी रह जाएगी। आप ऐसी रिसर्च कीजिए जो पूरे समाज में पढ़ने लायक हो बच्चा जन्म से सीखता है गर्भ से नहीं। संसार में ज्ञान की कोई सीमा नहीं हम तो

बहुत कम जान पाते हैं इस सेशन की समीक्षा डॉक्टर जे के सागोरे ने की।

डॉ नेतराम गौरव सहायक प्राध्यापक भौतिक गवर्नमेंट होलकर साइंस कॉलेज इंदौर विषय - रिसर्च टूल पर विशेष व्याख्यान देते हुए कहा कि रिसर्च का टॉपिक तो हम तीसरी चौथी पांचवी की किसी किताब का फ्रंट पेज को देख ले तो भी हमें कुछ ना कुछ मिल जाता है।

उन्होंने पब मेट इस्कोपस इंडेक्स, वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन, ऐन लिस्ट, शोध सिंधु इन फ्लिबनेट, शोधगंगा, विद्वान, गूगल स्कॉलर, फ्री फुल पीडीएफ, इंस्टीट्यूशन आईडी, एस सी आई हब, डी आई ओ, रिसर्च गेट वे, कंसोर्टियम टरनिटी आदि रिसर्च टूल्स के बारे में भी बताया। इस सत्र की समीक्षा डॉक्टर सुलोचना पाटिल ने की अंत में आभार डॉक्टर गजेंद्र उज्जैनकर ने माना।

यह जानकारी डॉ निर्भय सिंह सोलंकी एवं आई टी प्रभारी डॉ ताराचंद नरगावे, डॉ मीरा जामोद ने दी। इस कार्यक्रम के नोडल अधिकारी इंचार्ज पीएम उषा डॉ जे के सागोरे ,संयोजक डॉ प्रभा सोनी, समन्वयक श्री प्रकाश तिलक जिला कोऑर्डिनेटर सेडमैप है। इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक डॉक्टर आयशा खान डॉक्टर आरसी चावरी डॉक्टर एम एल चौहान एवं समस्त स्टाफ उपस्थित था।

दिल्ली में आप के 22 में से 3 विधायकों को स्पीकर ने दिया खास जिम्मा

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने 14 विधायकों को वर्ष 2025-26 के लिए दिल्ली नगर निगम में नामित किया है। इनमें 11 विधायक भाजपा और तीन विधायक आम आदमी पार्टी के हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि नामित विधायक नागरिक प्रशासन को सुदृढ़ बनाने में सहयोग करेंगे। गुप्ता ने कहा कि नामित विधायकों की भूमिका दिल्ली नगर निगम में बजट निर्माण, नागरिक प्रशासन और शहरी शासन में सहयोग देने की होगी। ये विधायक स्वच्छता, बुनियादी ढांचे के विकास और नगर निगम से जुड़ी अन्य चुनौतियों के समाधान में अहम भूमिका निभाएंगे। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि इनकी विशेषज्ञता नगर निगम की सेवाओं को मजबूत करने, शहरी विकास को गति देने और कचरा प्रबंधन, प्रदूषण नियंत्रण और सार्वजनिक स्वच्छता जैसी चुनौतियों के समाधान में मददगार होगी। जिन विधायकों को नगर निगम के लिए नामित किया गया है उनमें 11 भाजपा विधायक हैं। इनमें आरके पुरम विधायक अनिल कुमार शर्मा, संगम विहार विधायक चंदन कुमार चौधरी, रोहतास नगर विधायक जितेन्द्र महाजन, शकूर बस्ती विधायक करनैल सिंह, नांगलोई जाट विधायक मनोज कुमार शौकीन, नजफगढ़ विधायक नीलम पहलवान, द्वारका विधायक प्रद्युम्न सिंह राजपूत, आदर्श नगर विधायक राजकुमार भाटिया, त्रिलोकपुरी विधायक रविकांत, शाहदरा विधायक संजय गोयल और जंगपुरा विधायक तरविंदर सिंह मरवाह के नाम शामिल हैं। स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने एमसीडी में आम आदमी पार्टी के तीन विधायकों को खास जिम्मेदारी दी है। उन्होंने पटेल नगर से प्रवेश रत्न, बदरपुर से राम सिंह नेताजी और गोकलपुर से सुरेन्द्र कुमार को नामित किया है।

दिल्ली में जनवरी-फरवरी के बाद मार्च भी अब तक सूखा, सामान्य से 87 प्रतिशत कम हुई बारिश

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में जनवरी और फरवरी के बाद अब मार्च का महीना भी सूखा साबित हो रहा है। मौसम विभाग के आंकड़े बताते हैं कि मार्च के महीने में अब तक के दिनों में सामान्य से 87 फीसदी कम बारिश हुई है। महीने के बचे हुए दिनों में भी बारिश की संभावना कम है। इसके चलते दिल्ली के लोगों को सामान्य से ज्यादा गर्म मौसम का सामना भी करना पड़ रहा है।

राजधानी में आमतौर पर जून से लेकर सितंबर महीने का समय मॉनसून की बारिश वाला रहता है। लेकिन मॉनसून की वापसी के बाद जाड़े के समय भी पश्चिमी विक्षोभों के चलते हल्की बारिश होती रहती है। इस हल्की बारिश का भी मौसम पर खासा असर होता है।

दरअसल, पश्चिमी विक्षोभों के चलते उच्च हिमालयी क्षेत्रों में हिमपात होता है और उत्तर भारत के बड़े हिस्से में बारिश होती है। इससे मौसम ठंडा और नम होता है, लेकिन इस बार सक्रिय पश्चिम विक्षोभ कम आए हैं। बीच-बीच में कुछ पश्चिमी विक्षोभों का असर तो मौसम पर दिखा, लेकिन यह पश्चिमी विक्षोभ आमतौर पर कमजोर रहे हैं। इस कारण से इनके चलते हल्की बारिश ही हुई। इसका असर तापमान पर भी देखने को मिला है। आंकड़े

बताते हैं कि जनवरी महीने में दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में सामान्य से 65 फीसदी कम बारिश हुई थी, जबकि फरवरी महीने में भी सामान्य से 93 फीसदी से कम बारिश हुई थी। मार्च के महीने में भी मौसम का यह रुख बना हुआ है। मार्च महीने के अभी तक के दिनों में सामान्य तौर पर 14.1 मिलीमीटर बारिश होनी चाहिए, लेकिन अभी तक 1.8 मिलीमीटर बारिश ही हुई है। वहीं, राजधानी दिल्ली में अगले दो-तीन दिनों के बीच सुबह से ही तेज धूप निकलने के आसार हैं। इसके चलते दिल्ली के अधिकतम तापमान में भी बढ़ोतरी होगी। अगले दो दिनों में अधिकतम तापमान में दो डिग्री तक बढ़ोतरी हो सकती है। दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में शनिवार की सुबह से ही धूप रही जो दिन चढ़ने के साथ और तेज हो गई। दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में दिन का अधिकतम तापमान 31.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया जो सामान्य से 0.2 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। जबकि, न्यूनतम तापमान 16.7 डिग्री सेल्सियस रहा। यह सामान्य से 0.6 डिग्री सेल्सियस कम है। यहां पर आर्द्रता का स्तर 80 से 30 फीसदी तक रहा।

दक्षिण कोरिया में जंगलों की आग में चार लोगों की जान गई, इमरजेंसी घोषित

सियोल, एजेंसी।
दक्षिण कोरिया में कई जंगलों में आग लगी हुई है। इनमें चार लोगों की जान चली गई है, जबकि हजारों लोग अपने घरों से बेघर हुए हैं। ऐसे में दक्षिण कोरिया ने इमरजेंसी घोषित कर दी है। कोरिया फॉरेस्ट सर्विस ने कहा कि इस आग के चलते 847 हेक्टेयर जंगल नष्ट हो गए हैं, जबकि इलाके से 260 रेजिडेंट्स को यहां से सुरक्षित निकाला गया है। देश के विभिन्न हिस्से के जंगलों में फैली आग ने स्थानीय निवासियों के साथ अधिकारियों की चिंता बढ़ा दी है। आग बुझाने के प्रयासों में जुटे फायरफाइटर्स और राहत कर्मियों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। इस दौरान भारी धुंआ और तेज हवा ने आग को और भी फैलने में मदद की, जिससे दमकल कर्मियों को आग पर काबू पाना बेहद कठिन हो गया है।

दक्षिण ग्योंगसांग प्रांत में शुक्रवार को शुरू हुई आग ने शनिवार दोपहर तक 275 हेक्टेयर यानी 680 एकड़ क्षेत्र को अपनी जद में ले लिया। इस आग को काबू करने की कोशिश में जुटे दो दमकलकर्मियों की जान

चली गई। अधिकारियों के मुताबिक, 200 से अधिक लोगों को अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा। कार्यवाहक राष्ट्रपति चोई सांग-मोक ने सूर्यास्त से पहले आग पर काबू पाने के लिए हर संभव प्रयास करने का निर्देश दिया था। आग की भीषण स्थिति को देखते हुए दक्षिण कोरियाई सरकार ने शनिवार शाम को प्रभावित क्षेत्र को आपदा क्षेत्र घोषित कर दिया।

अमेरिका के लास क्रूसेस शहर में पार्क में गोलीबारी, तीन की मौत, 15 घायल

वॉशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका के न्यू मेक्सिको राज्य के लास क्रूसेस शहर में एक पार्क में गोलीबारी की घटना में तीन लोगों की मौत हो गई और 15 लोग घायल हो गए. न्यूज एजेंसी एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, घायलों में 16 से 36 वर्ष की आयु के व्यक्ति शामिल हैं, जिन्हें गोली लगी है. बाद में घायलों को अस्पताल ले जाया गया.

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पार्क के एक बड़े हिस्से में 50 से 60 हैंडगन के खोल बिखरे पड़े थे, जिससे संकेत मिलता है कि दो समूहों के बीच कई शूटर और कई हथियार थे. उनके बीच आपसी दुश्मनी या विवाद के कारण गोलीबारी हुई. उन्होंने बताया कि गोलीबारी में कई अन्य घायल हुए हैं.

पुलिस ने बताया कि मृतकों में 16 वर्षीय लड़का और 18 तथा 19 वर्ष की आयु के दो पुरुष शामिल हैं. स्थानीय पुलिस गोलीबारी की घटना की जांच कर रही है. न्यू मेक्सिको राज्य पुलिस, डोना एना काउंटी शेरिफ कार्यालय, एफबीआई और अन्य एजेंसियां जांच में सहयोग कर रही हैं. लास क्रूसेस के फायर

चीफ माइकल डेनियल ने कहा कि 11 घायलों को तीन स्थानीय अस्पतालों या एल पासो के यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर, क्षेत्रीय ट्रॉमा सेंटर में भेजा गया. उन्होंने कहा कि शनिवार तक सात पीड़ित एल पासो में थे और इलाज के बाद चार को छुट्टी दे दी गई.

पुलिस अधिकारी हमलावरों या संदिग्धों की पहचान करने के लिए पार्क से वीडियो और वहां मौजूद लोगों से पूछताछ कर रहे हैं. एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि यह भयावह और मूर्खतापूर्ण कृत्य है, जो न्यू मेक्सिको के कानून-व्यवस्था की घोर उपेक्षा की याद दिलाता है. उन्होंने कि सभी अपराधियों को घटना के लिए जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

यूनिसेफ ने लड़कियों की शिक्षा पर लगे प्रतिबंध हटाने की अपील की, कहा- भविष्य खतरे में

न्यूयॉर्क, एजेंसी।
संयुक्त राष्ट्र की बाल एजेंसी यूनिसेफ ने अफगानिस्तान में तालिबान से लड़कियों की शिक्षा पर लगे बैन को हटाने की अपील की है। एजेंसी ने शनिवार को कहा कि 2021 में तालिबान की सत्ता में वापसी के बाद लाखों लड़कियां शिक्षा से वंचित हैं। यूनिसेफ के मुताबिक बैन की वजह से इस साल 4 लाख लड़कियां स्कूल नहीं जा सकी। इससे शिक्षा से वंचित लड़कियों की संख्या 22 लाख हो गई है। अफगानिस्तान में लड़कियों की माध्यमिक और उच्च शिक्षा पर पाबंदी है। यूनिसेफकी कार्यकारी निदेशक कैथरीन रसेल के मुताबिक इस प्रतिबंध के चलते महिला डॉक्टरों और दाइयों की संख्या में भारी गिरावट होगी, जिससे लाखों महिलाओं को जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं नहीं मिल पाएंगी। उनका अनुमान है कि इससे 1,600 माताओं और 3,500 नवजात शिशुओं की जान जा सकती है।

यूनिसेफ ने यह पहल इसलिए की है, ताकि उन लाखों लड़कियों का भविष्य बचाया जा सके जो 2021 में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद से

शिक्षा के अधिकार से वंचित हैं। यूनिसेफ ने यह अपील ऐसे समय में की है जब अफगानिस्तान में नया अकादमिक वर्ष शुरू हुआ है। एजेंसी ने कहा कि इस प्रतिबंध के कारण 4,00,000 और लड़कियां शिक्षा के अधिकार से वंचित हो गई हैं तथा इसी के साथ ऐसी लड़कियों की कुल संख्या 22 लाख हो गई है जो छठी कक्षा के बाद पढ़ नहीं सकीं। अफगानिस्तान दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जहां लड़कियों की माध्यमिक और उच्च शिक्षा पर प्रतिबंध है। तालिबान के अनुसार यह प्रतिबंध उचित है क्योंकि यह शिक्षा व्यवस्था शरिया या इस्लामी कानून की व्याख्या के अनुरूप नहीं है। यूनिसेफ की कार्यकारी निदेशक कैथरीन रसेल ने एक बयान में कहा, ''तीन साल से अधिक समय से अफगानिस्तान में लड़कियों के अधिकारों का उल्लंघन किया जा रहा है।'' उन्होंने कहा, ''सभी लड़कियों को अब स्कूल लौटने की अनुमति दी जानी चाहिए।

अगर इन सक्षम एवं प्रतिभाशाली युवतियों को शिक्षा से वंचित रखा जाता रहा तो इसके परिणाम कई पीढ़ियों तक रहेंगे।'' उन्होंने कहा कि इस प्रतिबंध से लाखों अफगान लड़कियों के भविष्य को नुकसान पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि यदि प्रतिबंध 2030 तक जारी रहता है, तो ''40 लाख से अधिक लड़कियां प्राथमिक स्कूल से आगे की शिक्षा के अपने अधिकार से वंचित हो जाएंगी।'' उन्होंने कहा कि इसके परिणाम ''विनाशकारी'' होंगे। रसेल ने चेतावनी दी कि महिला चिकित्सकों और दाइयों की संख्या में कमी के कारण महिलाओं एवं लड़कियों को चिकित्सकीय देखभाल नहीं मिल पाएगी जिसके परिणामस्वरूप करीब 1,600 अतिरिक्त माताओं और 3,500 से अधिक अतिरिक्त शिशुओं की मौत होने की आशंका है। उन्होंने कहा, ''ये केवल संख्याएं नहीं हैं, ये आंकड़े खोई हुई जिंदगियों और बिखरते परिवारों का प्रतिनिधित्व करते हैं।